FPI निकासी: शेयर और ऋण के आँकड़े क्या बताते हैं?

समाचार-संदर्भ: अक्टूबर 2026 (मासिक आँकड़े)
आधिकारिक तालिका की जाँच/अद्यतन: 3 नवंबर 2026
मूल प्रकाशन: 22 अक्टूबर 2026
मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन-III: अर्थव्यवस्था और पूंजी बाजार
प्रिलिम्स: FPI, इक्विटी, ऋण और प्राथमिक-द्वितीयक बाजार



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

अक्टूबर 2026 के विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के आँकड़े बताते हैं कि शेयर-बाजार और ऋण-प्रतिभूतियों का रुख एक जैसा नहीं था। **3 नवंबर 2026 को देखी गई NSDL की आधिकारिक मासिक तालिका** में अक्टूबर के लिए इक्विटी में **₹34,843 करोड़ की शुद्ध निकासी** दर्ज थी। लेकिन ऋण की सामान्य सीमा वाली श्रेणी में शुद्ध प्रवाह सकारात्मक था और FAR श्रेणी में नकारात्मक। इसलिए केवल एक शीर्षक या एक दिन की खरीद से पूरे विदेशी निवेश का निष्कर्ष निकालना सही नहीं है।

PCSMANTRA.COM

यह उसी विषय के पुराने लेख का अद्यतन है। जून के आँकड़ों को नीचे स्पष्ट तिथि वाले तुलनात्मक संदर्भ के रूप में रखा गया है। अक्टूबर की पंक्ति का अलग प्रकाशन-दिन उपलब्ध नहीं है; **3 नवंबर यहाँ आधिकारिक तालिका जाँचने की तारीख है**, अक्टूबर के आँकड़े जारी होने की मनगढ़ंत तारीख नहीं।

FPI को सरल भाषा में समझें

विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (FPI): दूसरे देश के निवेशकों द्वारा शेयरों, बॉन्ड और अन्य वित्तीय प्रतिभूतियों में किया गया निवेश। यह किसी व्यवसाय में प्रत्यक्ष दीर्घकालिक निवेश से अलग श्रेणी है।

इक्विटी: कंपनी में स्वामित्व का हिस्सा दर्शाने वाले शेयर। **ऋण-प्रतिभूति:** ऐसी वित्तीय व्यवस्था जिसमें जारीकर्ता धन उधार लेता है और निर्धारित शर्तों पर भुगतान करता है।

शुद्ध निवेश: खरीद और बिक्री का अंतर। ऋणात्मक संख्या का अर्थ संबंधित अवधि और श्रेणी में बिक्री का खरीद से अधिक होना है; यह उस बाजार की कुल विदेशी हिस्सेदारी शून्य हो जाने का अर्थ नहीं है।

अक्टूबर की आधिकारिक तस्वीर

NSDL की कैलेंडर-वर्ष 2026 तालिका में अक्टूबर के लिए निम्न शुद्ध निवेश दर्ज था। सभी राशियाँ **₹ करोड़** में हैं:

- **इक्विटी: −34,843।** शेयर-संबंधी श्रेणी में शुद्ध निकासी।
- **ऋण-सामान्य सीमा: +7,336।** इस श्रेणी में शुद्ध निवेश सकारात्मक था।
- **ऋण-VRR: +341।** स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग वाली श्रेणी।
- **ऋण-FAR: −6,986।** पूर्णतः सुलभ मार्ग वाली श्रेणी।
- **सभी प्रदर्शित श्रेणियों का कुल: −24,475।** इसमें हाइब्रिड, म्यूचुअल फंड और अन्य प्रदर्शित श्रेणियाँ भी शामिल हैं; इसे केवल इक्विटी का आँकड़ा न समझें।

मासिक तालिका में सितंबर का इक्विटी शुद्ध निवेश **−₹35,861 करोड़** और जुलाई-अगस्त में क्रमशः **+₹20,200 करोड़** तथा **+₹29,631 करोड़** था। इससे वर्ष के भीतर दिशा बदलना दिखता है। इससे अपने-आप यह प्रमाणित नहीं होता कि आगे भी वही रुझान रहेगा।

प्राथमिक और द्वितीयक बाजार अलग हैं

प्राथमिक बाजार: जहाँ नए शेयर या अन्य प्रतिभूतियाँ निवेशकों को जारी की जाती हैं। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (IPO) इसका उदाहरण है।

द्वितीयक बाजार: जहाँ निवेशक पहले से जारी प्रतिभूतियाँ दूसरे निवेशक से खरीदते या उसे बेचते हैं। इस प्रकार हर शेयर-खरीद कंपनी को सीधे नई पूंजी नहीं देती।

एक निवेशक नए निर्गम में हिस्सा लेते हुए पहले से सूचीबद्ध शेयर बेच सकता है। इसलिए दोनों मार्गों को अलग समझना जरूरी है। इस लेख में अक्टूबर के प्राथमिक-द्वितीयक बाजार विभाजन की अप्रमाणित संख्याएँ नहीं जोड़ी गई हैं। ऊपर का इक्विटी आँकड़ा आधिकारिक मासिक तालिका की उसी नाम वाली श्रेणी का है।

PCSMANTRA.COM

एक ही दिन के आँकड़े अलग क्यों?

NSDL के अनुसार स्टॉक एक्सचेंज कारोबारी सदस्यों की सूचना के आधार पर कारोबारी दिन का **अस्थायी व्यापार-डेटा** संकलित करते हैं। इसके विपरीत डिपॉजिटरी को कस्टोडियन से मिलने वाली रिपोर्टों पर आधारित डेटा पुष्टि किए गए सौदों से संबंधित होता है और पिछले कारोबारी दिनों तक के सौदे समेट सकता है।

कस्टोडियन: निवेशक की प्रतिभूतियों की अभिरक्षा और संबंधित सेवाएँ देने वाली संस्था। अलग रिपोर्टिंग-समय, पुष्टि की अवस्था और श्रेणी-सीमा के कारण अस्थायी एक्सचेंज आँकड़ा और डिपॉजिटरी आँकड़ा अलग हो सकते हैं। उन्हें जोड़कर या एक को दूसरे का संशोधन बताकर निष्कर्ष निकालने से पहले पद्धति और तारीख मिलानी चाहिए।

जून से तुलना: क्या बदला?

उसी आधिकारिक तालिका में **जून 2026** का इक्विटी शुद्ध निवेश **−₹49,340 करोड़** था। लेकिन ऋण-सामान्य सीमा में **+₹30,620 करोड़**, VRR में **+₹3,246 करोड़** और FAR में **+₹21,652 करोड़** दर्ज थे। सभी प्रदर्शित श्रेणियों का कुल **+₹4,669 करोड़** था।

यह तुलना दिखाती है कि इक्विटी से निकासी के साथ दूसरी श्रेणी में निवेश आ सकता है। पुराने अधूरे-माह या समाचार-रिपोर्ट के आँकड़े को पूरे महीने के इस आधिकारिक आँकड़े के बराबर नहीं रखना चाहिए। दोनों महीनों की तुलना एक ही तालिका और परिभाषा के आधार पर की गई है।

पूंजी-प्रवाह और निवेशक-विश्वास

विदेशी पोर्टफोलियो प्रवाह प्रतिफल की अपेक्षा और आर्थिक दृष्टिकोण के प्रति संवेदनशील होते हैं। वैश्विक जोखिम-परिहार, ब्याज दरों तथा विनिमय दर की अपेक्षाएँ और घरेलू आर्थिक परिस्थितियाँ मिलकर निर्णय प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए किसी मासिक निकासी का पूरा कारण बिना अलग प्रमाण केवल एक कर, नीति या राजनीतिक घटना को नहीं देना चाहिए।

विनिमय दर और पोर्टफोलियो प्रवाह का संबंध भी दोतरफा हो सकता है। रुपये में अर्जित प्रतिफल को विदेशी मुद्रा में बदलते समय मुद्रा की चाल मायने रखती है। RBI के 2023 के कार्यपत्र में BRICS के ऐतिहासिक आँकड़ों पर बॉन्ड और इक्विटी प्रवाह तथा मुद्रा-अस्थिरता के संबंध का अध्ययन किया गया था। वह शोध-निष्कर्ष है, अक्टूबर 2026 की प्रत्येक बाजार-चाल का कारण-प्रमाण या भविष्यवाणी नहीं।

हर बिकवाली पूंजी-पलायन नहीं: सामान्य पोर्टफोलियो पुनर्संतुलन और अचानक बड़े पैमाने पर निकासी में अंतर करना चाहिए। अवधि, आकार, अन्य पूंजी-प्रवाह और व्यापक आर्थिक स्थिति साथ देखने पर ही आकलन उपयोगी होता है।

आगे की राह

नीतिगत आकलन में पारदर्शी और तुलनीय डेटा, स्थिर नियामकीय व्यवस्था और वित्तीय बाजार की गहराई पर ध्यान देना उपयोगी है। पाठक के लिए पहला कदम है: श्रेणी, समय-अवधि, इकाई, शुद्ध बनाम सकल और डेटा की पुष्टि-अवस्था जाँचना। बाजार का एक दिन और अर्थव्यवस्था का दीर्घकालिक स्वास्थ्य एक ही चीज नहीं हैं। यह लेख अवधारणात्मक अध्ययन है, किसी शेयर या निधि में निवेश की सलाह नहीं।

> निवेश-प्रवाह से अलग प्रकटीकरण के प्रश्न पर पढ़ें: **AIF/FPI लाभार्थियों का खुलासा: माहुआ मोइत्रा याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का निस्तारण**

4 नवंबर 2026 अद्यतन: नवंबर की शुरुआत में FPI खरीद की वापसी

अक्टूबर माह की शुद्ध निकासी के तुरंत बाद नवंबर के पहले सत्रों में विदेशी निवेशकों का रुख बदलता दिखा। 3 नवंबर 2026 (मंगलवार) को FPI ने इक्विटी में ₹6,837 करोड़ की शुद्ध खरीद की (NSE के अनंतिम आँकड़े), जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (DII) ने ₹3,679

करोड़ की बिक्री की। NSDL के आँकड़ों के अनुसार पिछले 11 सत्रों में FPI की कुल शुद्ध खरीद ₹25,400 करोड़ रही।

- **बाजार-सूचकांक:** सेंसेक्स 1.6% (1,226 अंक) बढ़कर 76,917.85 पर बंद हुआ — 1 सितंबर के बाद का उच्चतम स्तर। निफ्टी 1.6% (371 अंक) बढ़कर 23,811 पर पहुंचा — 4 सितंबर के बाद का उच्चतम बंद। यह लगातार चौथा तेजी का सत्र था; इन चार सत्रों में दोनों सूचकांक लगभग 5% चढ़े।
- **वायदा बाजार का संकेत:** NSE के F&O आँकड़ों के अनुसार FII ने मंगलवार को ₹4,711.31 करोड़ के इंडेक्स फ्यूचर्स शुद्ध खरीदे — 17 जुलाई 2026 के बाद एक ही दिन में सबसे अधिक। निफ्टी फ्यूचर्स में FII का ओपन इंटरेस्ट 2.16 लाख से घटकर 1.87 लाख कॉन्ट्रैक्ट (−13.3%) रहा, जिसे विश्लेषक शॉर्ट-कवरिंग मान रहे हैं। पिछले दो सत्रों में कुल ₹5,824.47 करोड़ के इंडेक्स फ्यूचर्स खरीदे गए।
- **कारण (विश्लेषकों के अनुसार):** AI-संबंधी बड़े निवेशों से विविधीकरण, हाल की गिरावट के बाद आकर्षक मूल्यांकन, रुपये को लेकर बढ़ा आत्मविश्वास, और कच्चे तेल की कीमत में दो सत्रों में 10% से अधिक की गिरावट ($115 से $105 प्रति बैरल)।
- **सावधानी:** विशेषज्ञ चेताते हैं कि जब तक कच्चे तेल स्थिर न हो और समष्टि-आर्थिक परिदृश्य में सुधार न आए, इस तेजी को टिकाऊ उछाल मानना जल्दबाजी होगी। जुलाई में भी इसी तरह की शॉर्ट-कवरिंग के बाद अगले 5 सत्रों में निफ्टी 2.3% गिरा था।

परीक्षा-दृष्टि: यह घटनाक्रम दिखाता है कि मासिक शुद्ध आँकड़ा (अक्टूबर 2026: इक्विटी में −₹34,843 करोड़) और सत्र-वार लघु-अवधि प्रवाह विपरीत दिशा में हो सकते हैं। परीक्षा में FPI रुझान लिखते समय अवधि और डेटा-आवृत्ति (दैनिक, साप्ताहिक, मासिक) स्पष्ट करना जरूरी है।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के आँकड़ों में इक्विटी और ऋण-प्रवाह तथा अस्थायी और पुष्टि किए गए आँकड़ों के बीच अंतर करना क्यों आवश्यक है? भारतीय अर्थव्यवस्था के आकलन में इन आँकड़ों की उपयोगिता और सीमाओं की चर्चा कीजिए। **(उत्तर 150 शब्दों में लिखिए। 10 अंक)**

भूमिका में:
FPI और शुद्ध प्रवाह का अर्थ बताते हुए समझाएँ कि एक कुल संख्या अलग परिसंपत्तियों का व्यवहार छिपा सकती है।

मुख्य भाग में:
इक्विटी और ऋण का अंतर; जून-अक्टूबर के दिनांकित तुलनात्मक उदाहरण; प्राथमिक-द्वितीयक बाजार का भेद; रिपोर्टिंग-समय और पुष्टि की अवस्था; मुद्रा-अस्थिरता तथा प्रतिफल की अपेक्षाओं से संबंध; एक दिन या एक माह से व्यापक कारण-निष्कर्ष निकालने की सीमा।

निष्कर्ष में:
तुलनीय डेटा और व्यापक आर्थिक संकेतकों को साथ पढ़ने की जरूरत लिखें; मासिक प्रवाह को भविष्यवाणी न बनाएँ।

PCSMANTRA.COM

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: प्राथमिक बाजार में नए शेयर या अन्य प्रतिभूतियाँ जारी की जा सकती हैं।

कथन 2: द्वितीयक बाजार में प्रत्येक शेयर-खरीद का भुगतान सीधे जारीकर्ता कंपनी को मिलता है।

कथन 3: इक्विटी में शुद्ध निकासी के साथ ऋण की किसी श्रेणी में शुद्ध निवेश संभव है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

▶ उत्तर और व्याख्या

प्रश्न 2. किसी प्रतिभूति-श्रेणी में ऋणात्मक शुद्ध निवेश सामान्यतः क्या दर्शाता है?

(a) संबंधित अवधि में खरीद का बिक्री से अधिक होना

(b) संबंधित अवधि में बिक्री का खरीद से अधिक होना

(c) सभी विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी शून्य हो जाना

(d) प्रतिभूति का बाजार-मूल्य शून्य हो जाना

▶ उत्तर और व्याख्या

स्रोत

- NSDL: कैलेंडर-वर्ष 2026 मासिक शुद्ध निवेश; तालिका की जाँच 3 नवंबर 2026
- NSDL: अस्थायी एक्सचेंज और कस्टोडियन-आधारित पुष्टि किए गए डेटा की पद्धति
- SEBI Investor: प्राथमिक और द्वितीयक प्रतिभूति बाजार
- RBI कार्यपत्र 08/2023: पोर्टफोलियो प्रवाह और विनिमय दर-अस्थिरता, 5 जुलाई 2023
- इकोनॉमिक टाइम्स: FPI खरीद से सेंसेक्स-निफ्टी दो माह के उच्चतम स्तर पर, 4 नवंबर 2026
- बिजनेस स्टैंडर्ड: FII ने ₹4,711 करोड़ के इंडेक्स फ्यूचर्स खरीदे, 4 माह का रिकॉर्ड, 4 नवंबर 2026

PCSMANTRA.COM